M.A. 3rd Semester Examination, 2023

HINDI

PAPER – HIN-302

Full Marks : 50

Time : 2 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×2

(क) 'अंधेर नगरी' का प्रकाशन कब हुआ था ? यह किस विधा की रचना है ?

(ख) 'स्कन्दगुप्त' नाटक में कुल कितने अंक हैं और यह कब प्रकाशित हुआ ?

(ग) 'जन नाट्य मंच' संस्था की स्थापना कब और किसके द्वारा की गयी ?

(घ) मोहन राकेश द्वारा रचित 'आषाढ़ का एक दिन' का नायक कौन है और इसका प्रकाशन कब हुआ ?

(ङ) 'एब्सर्ड नाटक' का अर्थ बताइए ।

(च) 'रीढ़ की हड्डी' का प्रकाशन कब हुआ ? जगदीशचंद्र माथुर द्वारा रचित किसी एक नाटक का नाम लिखिए ।

2. किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4 × 4

(क) हिन्दी में एब्सर्ड नाटक की परम्परा पर प्रकाश डालिए ।

(ख) "भारत का मेवा फूट और बैर।" इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(ग) "अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए ।

(घ) 'तांबे के कीड़े' में व्यक्त जीवन की असंगतियों को स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) 'भेड़िए से रहम की उम्मीद छोड़ दे । अपनी इन सदियों पुरानी बेड़ियों को तोड़ दो- इस अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(च) "कई-कई दिनों के लिए अपने को उसने को उससे काट लेती हूँ। पर धीरे-धीरे हर चीज फिर उसी ढर्रे पर लौट आती है। सब कुछ उसी तरह होने लगता है जब तक कि हम नए सिरे से उसी खोह में नहीं पहुँच जाते।"- इस कथन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8×2

(क) 'अंधेर नगरी' लोभ और भोग का आख्यान है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) नाटक कला के तत्वों के आधार पर 'स्कन्द गुप्त' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'आधे-अधूरे दांपत्य जीवन की विसगतियों की कथा है। -इस कथन के आलोक में 'आधे-अधूरे' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(घ) एकांकी कला के तत्वों के आधार पर 'रीढ़ की हड्डी' पर विचार कीजिए।

[*Internal Assessment* — 10 Marks]